पाठ 7. लालच का फल

पाठ का परिचय

एक बूढ़ा व्यक्ति किसी गाँव से जा रहा था। अचानक उसके कानों में किसी के मधुर गीत की आवाज़ सुनाई पड़ी। आवाज़ जिस झोंपड़ी से आ रही थी। वहाँ झाँककर उसने देखा तो एक छोटी-सी लड़की गीत गा रही थी। उस बूढ़े व्यक्ति ने प्यार से उसके सिर पर हाथ फेरा और सोने की एक मोहर उसके हाथ में रख दी। लड़की के पिता रामदीन ने जब यह देखा तो उसके मन में लालच आ गया। उसने बूढ़े व्यक्ति से कहा कि मेरी बेटी के गाने का मूल्य दस मोहरें हैं। तुमने गाने का आनंद तो उठा लिया अब बाकी की नौ मोहरें भी मुझे दे दो। बूढ़ा व्यक्ति रामदीन की लालची प्रवृत्ति को समझ गया। उसने कहा कि वह उसके साथ चले तो वह उसे बाकी की मोहरें दे सकता है, अभी उसके पास और मोहरें नहीं हैं। रामदीन उसके साथ हो लिया। उसने बूढ़े व्यक्ति को बताया कि ये मोहरें लेकर वह राजा की बेटी से विवाह करेगा। बूढ़े व्यक्ति ने तुरंत उससे कहा कि वह तो शादीशुदा है और उसकी एक बेटी भी है। ऐसे में वह राजा की बेटी से विवाह कैसे कर सकता है! बूढ़ा व्यक्ति चलते-चलते महल के द्वार पर रुक गया। पहरेदारों ने उसे झुककर सलाम किया। रामदीन को यह समझते देर नहीं लगी कि यह तो राजा है जो रात में वेष बदलकर घूम रहा था। राजा ने उससे कहा कि तुम्हारी बेटी के गीत ने मुझे कुछ पल का आनंद दिया, लेकिन तुम्हारे लालच ने मुझे निराशा दी। मैंने भी दस मोहरें देने का वादा कर तुम्हें कुछ पल का आनंद दिया और अब मना करके तुम्हें निराशा दे रहा हूँ। रामदीन ने लालची होने की बहुत बड़ी कीमत चुकाई।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

कभी लालच नहीं करना चाहिए। जो मिले उसी में संतुष्ट रहना चाहिए अन्यथा जो कुछ पास में होता है वह भी चला जाता है।

पाठ का वाचन

अध्यापक/अध्यापिका पूरे हाव-भाव के साथ कहानी सुनाएँ। कहानी पर आधारित सरल प्रश्न बीच-बीच में पूछें ताकि यह जाना जा सके कि बच्चे कहानी ध्यान से सुन रहे हैं या नहीं। अब बच्चों से एक-एक अनुच्छेद हाव-भाव सहित पढ़ने को कहें। उच्चारण पर विशेष ध्यान दें। आवाज़, आशीर्वाद, हैरानी, अफ़सोस, मोहरें, झल्लाया, आश्वासन, निराशा जैसे शब्दों को बार-बार दोहराएँ। शब्द-युग्मों पर विशेष ध्यान दिलवाएँ। जैसे छोटी-सी, घिसी-पिटी, प्यारी-सी, हक्का-बक्का।

महत्वपूर्ण चर्चा

निम्नलिखित प्रश्न पूछते हुए बच्चों के साथ चर्चा करें –

- लालच करना क्यों बुरा है?
- 'सोने के अंडे देने वाली मुर्गी' की कहानी किस-किस ने सुनी है?
- क्या तुमने कभी लालच किया है? तुम्हें लालच का क्या परिणाम भुगतना पड़ा है?
- इस कहानी से तुमने क्या सीखा?
- यदि रामदीन राजा से और मोहरें न माँगता तो क्या होता?
- कहानी का दूसरा अंत क्या हो सकता है?